## CBSE Test Paper 04

### संवाद लेखन

1. पृथ्वी सारे संसार का भार सहती है और आकाश जीवन देता है। दोनों में श्रेष्ठता निर्धारित करने के लिए विज्ञान के दो विद्यार्थियों की चर्चा परस्पर को 50 शब्दों में लिखिए।
2. दुनिया में भुखमरी और कुपोषण विषय पर अपने मित्र के साथ संवाद 50 शब्दों में लिखिए।
3. दो मित्रों के बीच समाज में बढ़ते अपराध के बारे में 50 शब्दों में संवाद रूप में लिखिए।
4. मारपीट करने वाले एक छात्र और अनुशासन समिति के अध्यक्ष का संवाद लगभग 50 शब्दों में लिखिए।

**CBSE Test Paper 04**

**संवाद लेखन**

## Answer

1. पवन - मित्र अरविन्द! आज विज्ञान की कक्षा में अध्यापिका ने पृथ्वी और आकाश के विषय में कितनी अच्छी-अच्छी और रोचक जानकारियाँ दीं।
   अरविन्द - सत्य कह रहो हो मित्र ! आज हमें पृथ्वी और आकाश के विषय में कई नए तथ्य ज्ञात हुए।
   पवन - पृथ्वी कितनी श्रेष्ठ है, कितनी सहनशीलता है उसमें। सबका भार सहन करती है।
   अरविन्द - और आकाश भी तो कितना श्रेष्ठ है। यह सभी को जीवन प्रदान करता है। यदि आकाश न हो तो पृथ्वी पर जीवन संभव नहीं है।
   पवन - यदि पृथ्वी हमारा भार न सहती तो क्या होता! हमारे खाने के लिए अन्न व रहने के लिए स्थान - सब पृथ्वी पर उपलब्ध हैं।
   अरविन्द - मित्र पवन ! धरती और आकाश की श्रेष्ठता पर बहस करते हुए जमाने गुजर जाएँगे पर ये सिद्ध न हो सकेगा।
   पवन - सही कहा मित्र ये दोनों ही अपनी-अपनी जगह श्रेष्ठ हैं।

2. **राहुल** - आओ मोहित, बैठो। तुम्हें पता है हमारे देश में भुखमरी और कुपोषण बच्चों का बचपन छीन रहा है।
   **मोहित** - राहुल अपना देश ही क्या दुनिया में बहुत से ऐसे देश है, खासकर, अफ्रीकी देश जो इस समस्या का सामना कर रहे हैं।
   **राहुल** - हाँ! हमारे देश के भी कई प्रदेशों में यह समस्या है। हाँ! कहीं-कहीं धनाभाव के कारण दो वक्त का खाना नसीब नहीं है और कहीं प्राकृतिक आपदाओं में सब नष्ट हो गया है इसलिए खाना नसीब नहीं है।
   **मोहित** - बिलकुल ठीक कह रहे हो राहुल, भुखमरी ही कुपोषण का कारण है। कहीं-कहीं पैदावार को अत्यधिक खादों एवं कीटनाशकों से जहरीला बनाकर कुपोषण की ओर ढकेल रहे हैं। अतः सारी दुनिया को जागरूक होकर अब भुखमरी व कुपोषण के खिलाफ जागरूक होना ही होगा।

3. **अंकित** : आओ सचिन, बैठो। कहो कैसे आना हुआ?
   **सचिन** : आज छुट्टी थी, इसलिए तुमसे मिलने चला आया। तुमने कल शहर में हुई वारदात के बारे में सुना है?
   **अंकित** : मैंने तो नहीं सुना? क्या हुआ?
   **सचिन** : कल सेठ दीनदयाल के इकलौते पुत्र का अपहरण कर लिया गया था। शहर भर में इसकी ही चर्चा चल रही है।
   **अंकित** : यह तो बहुत बुरा हुआ। सेठ दीनदयाल बड़े नेक इंसान हैं, उनसे किसी की क्या दुश्मनी हो सकती है।
   **सचिन** : अपराधी भले-बुरे में अंतर नहीं करते, उन्हें तो बस धन से मतलब है। सुना है, वे लोग दस लाख की फिरौती माँग रहे हैं।

4. (कक्षा में एक छात्र ने दूसरे छात्र की पिटाई कर दी है। इसकी लिखित शिकायत मिलने पर अभियुक्त छात्र को अनुशासन समिति के अध्यक्ष ने अपने कार्यालय बुलाया। उनके बीच की बातचीत इस प्रकार हुई होगी।)

**अध्यक्ष :** कहो गोविन्द! तुम्हारे विरुद्ध किशोर ने मारपीट की शिकायत की है? तुम तो अच्छे छात्र हो, फिर यह मारपीट क्यों?

**छात्र :** सर, मैं पिछले पाँच साल से विद्यालय में पढ़ रहा हूँ। मेरे विरुद्ध आपको कोई शिकायत न मिली होगी पर उस दिन किशोर ने मुझे जानबूझकर छेड़ा और जब गाली दी तो मैंने उसकी पिटाई कर दी।

**अध्यक्ष :** तुम जैसे अच्छे छात्र से सद्व्यवहार की आशा की जाती है। तुम्हें किशोर के साथ मारपीट न करके उसके दुर्व्यवहार की शिकायत अपने अध्यापक या अनुशासन समिति से करनी चाहिए थी।

**छात्र :** सॉरी सर, अब आगे आपको शिकायत का कोई मौका न दूँगा इस बार माफ कर दीजिए।

**अध्यक्ष :** तो ठीक है, इस बार चेतवानी देकर छोड़ रहा हूँ। आशा है तुम अपना सद्व्यवहार बनाए रखोगे।

**छात्र :** जी सर, जैसा आप कहें।